सशक्त भारत

सूर्या फाउण्डेशन मासिक पत्रिका

नवम्बर, 2023
वर्ष : 21
अंक : 01
₹ 3 प्रति

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

नदिया न पिए कभी अपना जल, वृक्ष न खाये कभी अपना फल,
अपने तन को, मन को, धन को, देश को दे दे दान रे। वो सच्चा इन्सान रे।
वो सच्चा इंसान..... ।।1।।
चाहे मिले सोना चांदी, चाहे मिले रोटी बासी, महल मिले बहुसुखकारी, चाहे मिले कुटिया खाली
प्रेम और सन्तोष भाव से, करता जो स्वीकार रे। **वो सच्चा इंसान..... ।।2।।**
चाहे करे निन्दा कोई, चाहे कोई गुणगान करे फूलों से सत्कार करे, कांटों की चिन्ता न धरे
मान और अपमान ही दोनों जिसके लिए समान रे। **वो सच्चा इंसान..... ।।3।।**

गौ संवर्धन एवं शिक्षण पर सूर्या फाउण्डेशन को मिला सुदर्शन अवार्ड।

राष्ट्रीय गोधन महासंघ द्वारा 7 नवंबर को विश्व युवा केन्द्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर में भारतीय नस्ल की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रयास करने वाले व्यक्ति एवं संगठनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला जी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी, कांकरोली द्वारिकाधीश मंदिर के पीठाधीश्वर आचार्य वागीश जी, हरियाणा एवं उत्तराखंड राज्य के गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय गोधन महासंघ के अध्यक्ष श्री विजय खुराना जी की उपस्थिति में **सूर्या फाउण्डेशन** को भारतीय गायों के संवर्धन, गोपालन में वैज्ञानिक प्रबंधन प्रशिक्षण हेतु सुदर्शन अवार्ड से सम्मानित किया गया। सूर्या फाउण्डेशन के प्रोजेक्ट प्रमुख श्री गौतम नायक ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

सूर्या फाउण्डेशन पिछले अनेक वर्षों से डेयरी प्रशिक्षण का आयोजन करती है जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर वैज्ञानिक विधि द्वारा डेयरी एवं गोपालन व्यवसाय कैसे करें इस विषय पर भी प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था के प्रोजेक्ट हैड गौतम नायक ने बताया कि वे इस पुरस्कार को प्राप्त करके काफी उत्साहित हैं और भविष्य में ऐसी गतिविधियों को बढ़ाकर भारतीय गोवंश की महत्ता को प्रतिस्थापित करने का और अधिक प्रयास करेंगे।

महिलाएँ बन रही आत्मनिर्भर

सूर्या प्लांट में समूह के उत्पादों की बिक्री-

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत समग्र ग्राम विकास की दिशा में कार्यरत है, गाँव के विकास में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का समावेश होना बहुत जरूरी है। सूर्या फाउण्डेशन महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें मार्केटिंग के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके लिए सार्वजनिक स्थानों पर स्टॉल लगाना, छोटी-छोटी दुकानों में संपर्क करना, बड़े व्यापारियों को सैंपल दिखाना आदि कार्य प्रगति पर हैं। इसी क्रम में गाँव नयागांव में संचालित स्वयं सहायता समूह की मातृशक्तियों द्वारा निर्मित उत्पादों जैसे अचार, साबुन, जूट के थैले, महिलाओं के शूट गाउन, पुरुषों के लोवर और पायजामा आदि सामानों के साथ-साथ हस्तशिल्प की गृहसज्जा सामग्री के प्रचार-प्रसार व बिक्री हेतु स्टाल लगाया गया

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के द्वारा गर्ल्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल सांखौल बहादुरगढ़ में 10 कुर्सी भेंट की गई।

महिला स्वावलंबन शिविर

सूर्या साधना स्थली, झिंझौली, सोनीपत, हरियाणा में पांच दिवसीय महिला स्वालंबन प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमति मोनिका अरोरा जी (सदस्य- जीव जंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार) श्री हेमंत शर्मा जी (वाइस चेयरमैन - सूर्या फाउण्डेशन) श्री प्रमोद जी (प्रमुख - आदर्श गाँव योजना) के साथ आंध्र प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित देशभर से कुल 75 महिलाएं उपस्थित रहीं।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में महिला स्वावलंबन विषय पर विशेष जोर दिया गया। ऐसे काम जो महिलाएं आसानी से और घर पर रहते हुए अपने खाली समय का उपयोग करके परिवार की आर्थिक व्यवस्था को

मजबूत बना सकें। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा उपयोगी गो-उत्पाद जैसे धूपबत्ती, सम्ब्रानी कप, मुल्तानी साबुन, दंत मंजन, अग्निहोत्र उपले, दीपक बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही घर में दैनिक रूप में उपयोगी वस्तुएं वाशिंग पाउडर, हैंड वाश, डिश वाश आदि वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

बहनों की रुचि हस्तशिल्प कला में होती है इसलिए हस्तशिल्पकला प्रशिक्षण में आर्टिफिशियल ज्वैलरी, सजावट की वस्तुएं, पूजा की वस्तुएं आदि का प्रशिक्षण दिया गया। जिससे बहनें स्वावलंबी बन सकें। प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के साथ-साथ देशभर से आई माताओं-बहनों को स्वरोजगार के विशेषज्ञ का मार्गदर्शन भी मिलेगा।

हस्तशिल्पकला प्रशिक्षण

गो-उत्पाद प्रशिक्षण

फफूण्डा (मेरठ) के पशुपालकों का सम्मान

केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान छावनी, मेरठ में 3 नवंबर 2023 को स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव फफूण्डा (मेरठ) के 215 पशुपालकों का सम्मान किया गया।

सरदार पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मोदीपुरम मेरठ के कुलपति डॉक्टर के०पी० सिंह ने पशुओं के उत्तम खान-पान, रहने के स्थान एवं चारे के बारे में विस्तृत जानकारी दी। क्षेत्रीय विधायक श्री अमित जी ने फफूण्डा के उपस्थित पशुपालकों को देसी गाय पालने एवं रोजगार को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग की बात कही। श्री गौतम नायक जी (सूर्या फाउण्डेशन) ने उपस्थित पशुपालकों को पशुओं के माध्यम से उनके गोबर गोमूत्र एवं दूध से कैसे अधिक से अधिक धन कमाया जा सकता है इससे अवगत कराया।

केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान के तरफ से सभी 215 पशुपालकों में 85 दूध निकालने के लिए बाल्टी, 77 तसला व दवा को नहलाने के लिए पाइप, 13 त्रिपाल, 10 पानी टंकी देकर सम्मानित किया गया तथा गोबर गोमूत्र एवं जैविक उत्पाद पर कार्य कर रहे लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया

समृद्ध किसान - समृद्ध गाँव

गाँव – समलबाँग (दार्जिलिंग) में ग्राम समिति की बैठक हुई। गाँव की बुनियादी सरकारी कार्य योजना जैसे बीपीएल परिवार को प्रधानमंत्री आवास, वृद्धा पेंशन, कृषि फसल बीमा योजना, विधवा भत्ता पेंशन अन्य आदि का रजिस्ट्रेशन कर जानकारी दी गयी। उपस्थित सरपंच, समिति मेंबर ब्लॉक मेंबर आदि उपस्थित रहे।

दार्जिलिंग

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदूपुर क्षेत्र के संतेबिद्नुर गाँव में प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संतुलित रखना और रोग के कारणों का निदान और उपचार करना है। जिसमें डॉ. श्री कृष्णमूर्ति जी, डॉ. श्रीमती अनुराधा जी (INO), सूर्या रोशनी से सीसीओ श्री मानिक पाटिल जी, मानव संसाधन विभाग से श्री ज्ञान प्रकाश रंजन जी, गाँव से सेवाभावी श्री दीपू स्वामी जी व गाँव से 162 लोगों ने प्राकृतिक रूप से स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारी प्राप्त की।

मिट्टी पानी धूप हवा – सब रोगों की यही दवा।

सशक्त भारत के प्रकाशक, मुद्रक-बिग्रेडियर डी.सी. पंत (सेवानिवृत्त) द्वारा
सूर्या फाउण्डेशन के लिए बी-3/330, पश्चिम विहार, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं
एक्सपो प्रिंट एवं मीडिया ज्वालाहेड़ी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063, से मुद्रित
सम्पादक : प्रमोद कुमार आसरे

Licence No. DL(W) 10/2109/2024-26
R.N.I. No. DELHIN/2003/09359

Date of Publication : 04 Jan, 2024
Date of Postage : 7-8 Jan, 2024
Place of Posting : NIE Post Office

सूर्या फाउण्डेशन की सीनियर टोली के साथ सूर्या संस्कार केन्द्र, पंजाबी बाग पश्चिमपुरी के बच्चे व शिक्षकगण।

समाचार पत्रों में कार्यक्रम की झलकियाँ...

सूर्या साधना स्थली झिंझौली में 5 दिवसीय महिला स्वालंबन प्रशिक्षण शुरू

प्रशिक्षण शिविर की प्रतिभागी महिलाएं।

सवेरा न्यूज / कुलदीप सिंह खरखौदा : सूर्या साधना स्थली झिंझौली में पांच दिवसीय महिला स्वालंबन प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को उद्घाटन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सदस्य-जीवजंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार मोनिका अरोड़ा, वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन हेमंत शर्मा, प्रमुख-आदर्श गांव योजना प्रमोद, कामेश्वर दलाई, ट्रस्टी सूर्या फाउंडेशन विकास, जोन प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप के साथ कई वरिष्ठ अधिकारियों सहित हरियाणा, आंध्र प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित देशभर से कुल 80 महिलाएं उपस्थित रही। सूर्या फाऊंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में महिला स्वावलंबन विषय पर विशेष जोर दिया जाएगा। जो महिलाएं आसानी से घर पर रहते हुए अपने खाली समय का उपयोग करके परिवार की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बना सकें। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा उपयोगी गौ उत्पाद जैसे धूपबत्ती, संध्यानी कप, मुल्तानी साबुन, दंत मंजन, अग्निहोत्र उपले, दीपक, मूर्तियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। घर में दैनिक रूप मे उपयोगी वस्तुएं वाशिंग पाउडर, हैंड वाश, डिश वाश आदि वस्तुएं बनाने के प्रशिक्षण के साथ साथ महिलाओं की रुचि हस्तशिल्प कला में होती है। इसलिए हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के अंतर्गत महिलाओं के लिए उपयोगी आर्टिफिशियल ज्वैलरी, सजावट की वस्तुएं, पूजा की वस्तुएं आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे वे स्वावलंबी बन सकें। प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के साथ साथ देशभर से आई महिलाओं को स्वरोजगार के विशेषज्ञ का मार्गदर्शन भी मिलेगा। सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन जय प्रकाश स्वयं इस प्रशिक्षण में महिलाओं को प्रेरित करेंगे।

5 दिवसीय महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण शिविर शुरू

प्रशिक्षण शिविर के दौरान कार्य करती महिलाएं।

खरखौदा, 29 नवम्बर (शर्मा): कुण्डा को सूर्या साधना स्थली झिंझौली में 5 दिवसीय महिला स्वावलंबन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि जीवजंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार की सदस्य मोनिका अरोड़ा, सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन हेमंत शर्मा, आदर्श गांव योजना के प्रमुख प्रमोद, कामेश्वर दलाई, सूर्या फाउंडेशन के ट्रस्टी विकास, जोन प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप ने। प्रशिक्षण में हरियाणा, आंध्र प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित देशभर से 80 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण शिविर में महिला स्वावलंबन विषय पर विशेष जोर दिया जाएगा ताकि महिलाएं आसानी से घर पर रहते हुए अपने खाली समय का उपयोग करके परिवार की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बना सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा उपयोगी गौ उत्पाद जैसे धूपबत्ती, संध्यानी कप, मुल्तानी साबुन, दंत मंजन, अग्निहोत्र उपले, दीपक, मूर्तियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

घर में दैनिक रूप में उपयोगी वस्तुएं वाशिंग पाउडर, हैंड वाश, डिश वाश आदि वस्तुएं बनाने के प्रशिक्षण के साथ-साथ महिलाओं की रुचि हस्तशिल्प कला में होती है, इसलिए हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के अंतर्गत महिलाओं के लिए उपयोगी आर्टिफिशियल ज्वैलरी, सजावट व पूजा की वस्तुएं आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन जय प्रकाश इस प्रशिक्षण में महिलाओं को प्रेरित करेंगे।